17. भरतपुर

Date ___/___/______ Page No.: ______

→ उपनाम :- राजस्थान का प्रवेश द्वार, पक्षियों का स्वर्ग
→ स्थापना :- जाट राजा सूरजमल द्वारा।

→ राज्य का नवीनतम संभाग (4 जून 2005 को निर्मित)
→ राज्य का सबसे छोटा संभाग
→ राज्य का सबसे न्यूनतम लिंगानुपात वाला संभाग
→ भरतपुर का केवलादेव राष्ट्रीय पक्षी अभ्यारण्य एकमात्र अभ्यारण्य है, जिसे विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त है
→ भारत का सबसे बड़ा पक्षी अभ्यारण्य केवलादेव अभ्यारण्य भरतपुर में स्थित है।
→ राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री टीकाराम पालीवाल का जन्म भरतपुर में हुआ।
→ केवलादेव अभ्यारण्य एशिया की सबसे बड़ी पक्षी प्रजनन स्थली
→ भारत का एकमात्र लक्ष्मण जी का मंदिर भरतपुर में
→ राज्य में सर्वाधिक नीबू भरतपुर में।
→ ब्रज महोत्सव भरतपुर जिले में मनाया जाता है।
→ राज० में सर्वाधिक सांसी जनजाति भरतपुर में निवास करती है।
→ नौटंकी भरतपुर का सबसे प्रसिद्ध लोक नृत्य है।
→ राज० की कुतुबमीनार कहे जाने वाला भीमलाट (ध्वज स्तम्भ) भरतपुर में
→ राज० में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत 1905 में सर्वप्रथम डीग, भरतपुर में की गई।
→ राज० में प्रथम सहकारी बैंक की स्थापना डीग, भरतपुर में की गई।
⇒ केवला देव राष्ट्रीय अभ्यारण्य (घना पक्षी विहार) :-
→ घना पक्षी विहार भारत का सबसे बड़ा पक्षी अभ्यारण्य है। जो भरतपुर में NH-11 पर स्थित है।
→ यह अभ्यारण्य गम्भीरी एवं बाणगंगा नदी के संगम पर स्थित है।
→ घना पक्षी विहार को पक्षियों का स्वर्ग कहा जाता है।
→ डॉ सलीम अली के प्रयासो से इसे पक्षी अभ्यारण्य का दर्जा
→ यह एशिया की सबसे बड़ी प्रजनन स्थली
→ इसी अभ्यारण्य में पाइथन पॉइन्ट में अजगर देखे जा सकते

www.resultuniraj.co.in

→ भरतपुर में कुकुंद नदी पर स्थित बंधबारेठा बाँध का जल सि
कृषि, पेयजल व मछली पालन के उपयोग में लाया जा रहा है

लौहागढ़ :-

→ निर्माण 1733 में राजा सूरजमल द्वारा।

→ सूरजमल को जाटों का प्लेटो (अफलातून) कहा जाता है।

→ लोहे जैसे मजबूत इस दुर्ग को आज तक कोई नहीं जीत
इसीलिये इसे लौहागढ़ कहा जाता है।

→ लौहागढ़ किले के प्रवेश द्वार पर अष्टधातु का किवाड़ ल
हुआ है जिसे 1765 में महाराणा जवाहर सिंह द्वारा दिल्ल
के लाल किले से उखाड़ लाया गया था।

→ यह किला मिट्टी से बना होने के कारण इसे मिट्टी का कि
भी कहा जाता है।

→ इसी दुर्ग में जवाहर बुर्ज व फतेह बुर्ज स्थित है।

डीग को जलमहलों की नगरी भी कहते हैं। डीग तहसील में भव
महलों का निर्माण यहाँ के राजा सूरजमल द्वारा।

बम रसिया नृत्य भरतपुर में किया जाता है

मोती झील :-

→ इस झील का निर्माण राजा सूरजमल द्वारा।

→ इस झील को भरतपुर की जीवन रेखा कहा जाता है।

खानवा (रूपवास तहसील) :-

→ भरतपुर में स्थित खानवा नामक स्थान पर 17 मार्च 152
में राणा सांगा व बाबर के मध्य युद्ध हुआ था। यह
गम्भीरी नदी के तट पर स्थित है।

भरतपुर में 20 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान
केन्द्र की स्थापना सेवर नामक स्थान पर की गई थी

भरतपुर में गंगा मंदिर स्थित है। यह 84 खम्भों पर टिका है।

नोह, भरतपुर में 1700 साल पुरानी पक्षी चित्रित ईंट प्राप्त हु

जसवंत पशु मेला भरतपुर में लगता है।

अजान बाँध भरतपुर में स्थित है।

fu ved study group 9414918626
www.resultuniraj.co.in